Total number of printed pages–3

14 (HIN-2) 2·1 (N/O)

2019

HINDI

Paper : 2·1

(New Syllabus & Old Syllabus)

(Madhyakālin Kāvya–II)

Full Marks : 64/80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

***Note : Group A** for **New Syllabus** candidates ; **Group A** & **B** for **Old Syllabus** candidates.*

Group-A

Marks : 64

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $8 \times 2 = 16$

(क) गये तहँ राम जहाँ निज मात।
कहो यह बात कि हैं वन जात।।
कछू जनि जी दुख पाबहु माइ।
सो देहु अशीष मिलौं फिर आइ।।

Contd.

(ख) कहा भयौ जो बिछुरे मो मनु, तो मन साथ।
उड़ी जाउ कितहूँ तऊ गुड़ी उड़ाइक हाथ।।

(ग) लोचन जुगल थोरे-थोरे चपल, सोई
सोभ मंद पवन चलत जलजात की।
पीत हैं कपोल तहाँ आई अरूनाई नई,
ताही छबि करि ससि आभा पात पातकी।।

(घ) मोर पंखा 'मतिराम' किरीट मैं कंठ बनी बनमाल सुहाई।
मोहन की मुसकानि मनोहर कुंडल डोलनि मैं
छबि छाई।।

2. किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×12=36

(क) केशवदास पर 'पंडिताऊपन' का आरोप लगाना कहाँ तक उचित है ? इस संबंध में अपना तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(ख) "लोकप्रियता की दृष्टि से तुलसीदास के बाद बिहारी का स्थान है।" — सतर्क पुष्टि कीजिए।

(ग) बिहारी की श्रृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) सेनापति की कविताओं की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) मतिराम की काव्य-प्रतिभा पर विचार कीजिए।

3. किन्हीं *तीन* प्रश्नों के जवाब दीजिए : 3×4=12

(क) केशवदास की भाषा संबंधी *तीन* विशेषताएँ लिखिए।

(ख) तंत्रीनाद, कवित्तरस और रति-रंग में क्या समानताएँ हैं?

(ग) 'चग-रंग-भूपाल' का आशय क्या है?

(घ) सेनापति की श्रृंगार-वर्णन संबंधी *तीन* विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) मतिराम की कलापक्षीय *तीन* विशेषताओं पर विचार कीजिए।

Group-B

Marks : 16

4. रीतिकालीन पठित कवियों में भूषण का स्थान निर्द्धारित कीजिए। 12

5. भूषण की भाषा-शैली पर *एक* टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए। 4